झारखण्ड सरकार
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

अपर सचिव सह अभियान निदेशक, भारत सरकार, एनएचएम ने की समीक्षा बैठक

हमें बेहतर सुविधाएं देनी होंगी ताकि लोगों पर प्राइवेट हॉस्पिटल का बोझ न पड़े : मनोज झालानी

रांची, 30 जून 2018: श्री मनोज झालानी, अपर सचिव सह अभियान निदेशक, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार) ने शनिवार को नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में आयुष्मान भारत और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उन्होंने कहा कि हमें यह कोशिश करनी होगी कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों ताकि लोग प्राइवेट हॉस्पिटल की तरफ आकर्षित न हों और ऐसे अस्पतालों में उन्हें ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने पड़े। श्री झालानी ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं वहां भी उपलब्ध होती हैं जहां प्राइवेट हास्पिटल नहीं हैं इसलिए हमें जिम्मेदारी से काम करना होगा, इसमें सभी की भागीदारी होनी चाहिए। समीक्षा के क्रम में उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत उपलब्धता लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अभियान से जुड़े चिकित्सकों को हर तरह की ट्रेनिंग देनी होगी। श्री झालानी ने कहा कि फर्स्ट रेफरल युनिट में गाइनोक्लोजिस्ट को पदस्थापित करें ताकि गर्भवती और अन्य महिला मरीजों को इसका लाभ मिल सके।

ट्रेनिंग पर विशेष जोर

मनोज झालानी ने कहा कि कई स्वास्थ्य केंद्रों पर एक सर्जन 100 सर्जरी करते हैं तो कहीं कोई सर्जन 3 सर्जरी करते है। सेंटर्स में इस तरह के लोड को कम करना होगा। समीक्षा के दौरान उन्होंने इमोक (डाक्टर के लिए दी जानेवाली ट्रेनिंग), एलएसएएस (लाइफ सेविंग एनिस्थिसिया स्किल) ट्रेनिंग पर चर्चा की। साथ ही साथ बायो मेडिकल वेस्ट डिस्पाजल व्यवस्था को सुधारने का निर्देश दिया।

एमएमआर की जानकारी देने पर प्रोत्साहन राशि

केंदीय अधिकारी मनोज झालानी ने किसी क्षेत्र में मातृ मृत्यु से संबंधित मृत्यु की जानकारी देने पर एक हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि देने की योजना बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने समीक्षा के क्रम में कहा कि 108 एंबुलेंस के पास सभी फर्स्ट रेफरल युनिट का मैप उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंग्लादेश

में मातृ मृत्यु दर ज्यादा है लेकिन वहां के 60 प्रतिशत लोगों को डेंजर साइन की बेहतर जानकारी है। श्री झालानी ने कहा कि हाई रिस्क प्रेगनेंसी जैसे मामलों जिसकी पहचान कर ली गयी है वो सेंटर तक पहुंच जायें इसकी व्यवस्था करनी होगी और उनको उचित देखभाल मिले इसे सुनिश्चित करना होगा। श्री मनोज झालानी ने कहा कि एएनसी की गुणवत्ता सुधारने के साथ गर्भवती महिलाओं के लिए 108 ऐंबुलेंस का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाये ऐसी व्यवस्था बनानी होगी। समीक्षा के क्रम में टीबी नोटिफिकेशन पर चर्चा की गयी। वहीं आरसीएच पोर्टल को सभी जिलों में युजेबल बनाने का निर्देश दिया गया ताकि उसे कहीं से भी ट्रेक किया जा सके। उन्होंने 108 एंबुलेंस सेवाओं की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया और कहा कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाये।

108 और 102 एंबुलेंस सेवा के प्रचार प्रसार पर जोर

समीक्षा करते हुए श्री मनोज झालानी ने कहा कि स्कील लैब जल्द से जल्द शुरू किया जाये और 108 और 102 एंबुलेंस सेवा का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार किया जाये। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। श्री झालानी ने कहा कि एचआईआरएस को अपडेट कर शुरू करें।

दृढ़ निश्चय करें तो मातृ मृत्यु दर आ सकता है दो अंकों में : प्रधान सचिव (स्वास्थ्य), निधि खरे

समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव निधि खरे ने कहा कि लगातार प्रयास करें तो मातृ मृत्यु दर को दो अंकों पर ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। श्रीमती खरे ने कहा कि सभी अपनी अपनी जिम्मेवारी को समझ लें और निरंतर प्रयास करें तो हमारे लिए कोई भी टारगेट नामुमकिन नहीं है।

मातृ मृत्यु दर रिपोर्टिंग प्रक्रिया में लायें सुधार : अभियान निदेशक, कृपानंद झा

एनएचएम, झारखंड के अभियान निदेशक कृपानंद झा ने फर्स्ट रेफरल युनिट में सुविधाएं बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने लैब, इंमरजैंसी केयर, ऑपरेशन थियेटर, स्पेशल न्युबोर्न केयर युनिट, लेबर रूम ओटी, मेटरनल केयर सुविधाओं में भी सुधार का निर्देश दिया गया। श्री झा ने मेटरनल डेथ रिपोर्टिंग प्रक्रिया में सुधार लाने का भी निर्देश दिया है।

इस समीक्षा बैठक में एनएचएसआरसी के सलाहकार हिमांशु भूषण, निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवायें डॉ सुमंत मिश्रा, निदेशक वित्त नरसिंह खलखो, प्रशासी पदाधिकारी आसिफ एकराम, आईईसी सेल प्रभारी डॉ पुष्पा मारिया बेक, निदेशक उप निदेशक, विभागों के प्रभारी, कंसलटेंट्स और अन्य पदाधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग